परम् पूज्य महर्षि महेश योगी

कार्यक्रम, सेवा प्रकल्प एवं संस्थान

संस्थापक

भावातीत ध्यान एवं सिद्धि कार्यक्रम
महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय
महर्षि आयुर्वेदिक विश्व विद्यालय
महर्षि वैदिक विश्व प्रशासन
महर्षि विश्वव्यापी रामराज्य
महर्षि यूनिवर्सिटीज एवं इन्स्टीट्यूट्स ऑफ मैनेजमेंट
महर्षि एज ऑफ इन्लाइटेन्मेण्ट स्कूल्स
दि साइन्स ऑफ क्रियेटिव इन्टैलीजेन्स
महर्षि विश्व शान्ति राष्ट्र

भारत में

महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह
महर्षि प्रबंधन संस्थान समूह
महर्षि महाविद्यालय समूह
महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्
महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, म.प्र.
महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नॉलाजी, छत्तीसगढ
महर्षि विश्व शाँति एवं विश्वव्यापी रामराज्य की वैश्विक राजधानी-भारत का ब्रह्मस्थान

ब्रह्मलीन परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी ने भारतीय शाश्वत् पारम्परिक वैदिक ज्ञान-विज्ञान का अखण्ड दीप प्रज्जवलित कर इसकी प्रकाशमय ज्योति से सारे विश्व को पूर्ण ज्ञान का प्रसाद दिया।

भारतीय शाश्वत् सनातन वैदिक ज्ञान-विज्ञान के आधार पर वेदभूमि-पूर्णभूमि- देवभूमि-पुण्यभूमि-सिद्धभूमि-प्रतिभारत भारतवर्ष का जगद्गुरुत्व और ख्याति जिस तरह महर्षि जी ने समस्त भूमण्डल में हजारों वर्षों के अंतराल के पश्चात पुन:स्थापित की और भारतीय वैदिक ज्ञान का लोहा मनवाया, ऐसा उदाहरण या दृष्टांत समूचे वैदिक वांगमय में या आधुनिक काल में कहीं भी वर्णित नहीं है।

1953 में श्री गुरुदेव स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती जी के ब्रह्मलीन हो जाने के बाद महर्षि जी ने ऋषियों, महर्षियों की तपस्थली उत्तरकाशी हिमालय में साधना की और फिर सारे विश्व को ज्ञानी बनाने; धर्म अर्थ काम और मोक्ष का मार्ग दिखाने; दु:ख, दारिद्र, अंशाति आदि ज्वलंत समस्याओं का निदान लिये महर्षि जी अपनी स्वयं की साधना का आनंद त्यागकर विश्वकल्याणार्थ निकल पड़े।

पचास वर्षों में विश्व भर में अनगिनत भ्रमण करते हुए, ज्ञान, ध्यान, योग, यज्ञादि के अनेकानेक कार्यक्रमों की रचना करके करोड़ों व्यक्तियों की जीवन धारा को एक नया मोड़ देकर विश्व की सामूहिक चेतना को जिस प्रकार थामा और उसमें सतोगुण का संचार कर रजोगुणी और तमोगुणी प्रवृत्तियों पर विजय पाई, कलिकाल के प्रभाव में रहते हुए भी सतयुग के उदय का उद्घोष किया, यह सब किसी भी एक सामान्य ज्ञानी या प्रशासनिक पुरुष के द्वारा सम्भव ही नहीं था। यह केवल किसी देवी शक्ति का महर्षि जी के रुप में अवतरण ही था जिसके लिये हजारों वर्षों का कार्य 50 वर्षों में कर पाना सम्भव हो सका।

महर्षि जी ने भावातीत ध्यान की सहज शैली प्रदान की, जो हर व्यक्ति अपने ही आवास में, परिवार में रहकर अभ्यास करके अपने लौकिक और पारलौकिक जीवन को धन्य कर सकता है। महर्षि जी ने प्रमाणित कर दिया कि साधना के लिये हिमालय जाकर किसी गुफा में धूनी रमाकर कठिन तपस्या आवश्यक नहीं है।

महर्षि जी ने हजारों भावातीत ध्यान के केन्द्र स्थापित किये, लाखों व्यक्तियों को ध्यान और पतंजलि योग सूत्रों पर आधारित सिद्धि कार्यक्रम का प्रशिक्षण दिया। निष्काम कर्मयोग और **''योगस्थः कुरु कर्माणि''** का प्रयोग प्रथम बार किसी ने सम्पूर्ण विश्व को प्रायोगिक रूप में दिया।

महर्षि जी ने **''चेतना विज्ञान''** की रचना की और उनका ये चेतना विज्ञान करोड़ों लोगों ने एक पाठ्यक्रम के रूप में लिया और अपने जीवन के आधार को विकसित कर ब्राह्मीय चेतना के स्तर तक पहुंचे।

महर्षि जी का सत्संकल्प कि मनुष्य जन्म संघर्ष के लिये नहीं, केवल आनंद और मोक्ष के लिये हुआ है, इस सिद्धांत पर आधारित कार्यक्रम उन्हें लगातार आगे बढ़ाते ही गये। वेद निर्मित, ज्ञानशक्ति, क्रियाशक्ति और आनंद चेतना के सागर, वेदान्तिक ब्राह्मीय चेतना युक्त महर्षि वास्तविक ऐतिहासिक अमर जगद्गुरु हो गये।

महर्षि जी ने पतंजलि योग सूत्रों के आधार पर सिद्धि कार्यक्रम और योगिक उड़ान का कार्यक्रम दिया जो भावातीत चेतना में योगस्थ होकर कर्म सम्पादन की अनोखी तकनीक है।

महर्षि जी ने सारे विश्व में हजारों की संख्या में अनेक कार्यक्रमों, सेवा प्रकल्पों और संस्थानों की स्थापना की जिनमें विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, भावातीत ध्यान केन्द्र, गन्धर्ववेद विद्यालय, ज्योतिष एवं स्वास्थ्य परामर्श केन्द्र, आयुर्वेद चिकित्सालय तथा महर्षि आयुर्वेद औषधि निर्माण शालायें सम्मिलित हैं।

भावातीत ध्यान

भावातीत ध्यान एक सरल, सहज, प्रयासरहित, अद्वितीय एवं वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित ध्यान की तकनीक है, जो मन को शुद्ध चेतना अनुभव करने एवं एकात्म होने के लिए स्थिर करती है एवं स्वाभाविक रूप से विचार के स्रोत, मन की शान्त अवस्था- भावतीत चेतना-शुद्ध चेतना, आत्म-परक चेतना तक पहुँचाती है, जो समस्त रचनात्मक प्रक्रियाओं का स्त्रोत है।

भावातीत ध्यान तंत्रिका प्रणाली को गहन विश्रांति प्रदान करता है, मन की चैतन्य क्षमता को विस्तारित करता है, व्यक्ति की पूर्ण सामर्थ्य को सहजरूपेण प्रकट करता है एवं दैनिक जीवन के समस्त क्षेत्रों को समृद्ध करता है।

भावातीत ध्यान का अभ्यास दिन में दो बार प्रातः व संध्या 15-20 मिनिट के लिये किया जाता है। इसे सफलतापूर्वक समस्त आयुवर्ग के, राष्ट्रीयता, संस्कृतियों, धर्मों एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों द्वारा अभ्यास किया जा सकता है।

विगत 60 वर्षों में 33 देशों के 250 से अधिक स्वतंत्र शोध संस्थानों और विश्वविद्यालयों में 700 वैज्ञानिक शोध भावातीत ध्यान की तकनीक पर किये जा चुके हैं और इसके अत्यंत सकारात्मक जीवन पोषणकारी प्रभाव सामने आये हैं।

भावातीत ध्यान-सिद्धि कार्यक्रम

महर्षि जी प्रणीत भावातीत ध्यान-सिद्धि कार्यक्रम भावातीत ध्यान की एक उन्नत तकनीक है। यह तकनीक व्यक्ति को भावातीत चेतना के स्तर से विचार करने एवं कार्य करने के लिये प्रशिक्षित करती है, मन एवं शरीर के मध्य समन्वय को वृहत रूप से बढ़ाती है एवं व्यक्ति की इच्छाओं को परिपूर्ण करने के लिये प्रकृति का सहयोग प्रदान करती है।

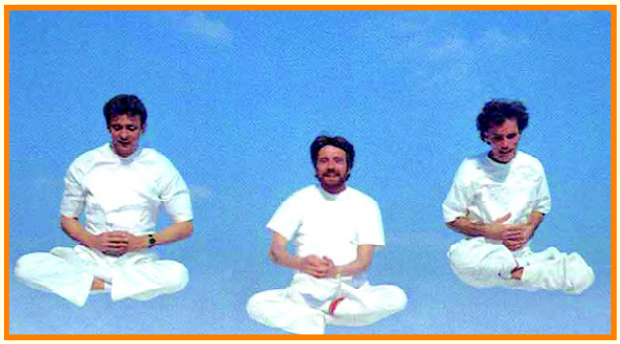

भावातीत ध्यान का अभ्यास कुछ माहों तक करने के पश्चात् सिद्धि कार्यक्रम सीखा जा सकता है।

योगिक उड़ान

योगिक उड़ान की प्रक्रिया मन एवं शरीर के पूर्ण समन्वय को प्रदर्शित करती है। योगिक उड़ान के प्रथम चरण में भी, जब शरीर धीरे-धीरे ऊपर उठता है, यह अभ्यास व्यक्ति के लिये अत्यधिक आनंद का अनुभव प्रदान करता है एवं पर्यावरण के लिये सुसम्बद्धता, सकारात्मकता एवं समन्वय निर्मित करता है।

सम्पूर्ण भारतवर्ष में कहीं भी भावातीत ध्यान, सिद्धि कार्यक्रम एवं योगिक उड़ान सीखने के लिये लिखें अथवा सम्पर्क करें:

दूरभाष: +91-755-4276931, 4279393
मोबाइल: +91 9893700746
ईमेल: tmindia@mssmail.org

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम् की स्थापना वैदिक परम्परा से महर्षि वेद विज्ञान के समस्त 40 क्षेत्रों [ऋक्वेद, सामवेद, यजुर्वेद, अर्थवेद, शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष, न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, कर्ममीमांसा, वेदान्त, गन्धर्ववेद, धनुर्वेद, स्थापत्यवेद, काश्यप संहिता, भेल संहिता, हारीत संहिता, चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, वाग्भट्ट संहिता, माधवनिदान संहिता, शार्ङ्धर संहिता, भावप्रकाश संहिता, उपनिषद्, आरण्यक, ब्राह्मण, इतिहास, पुराण, स्मृति, ऋक्वेद प्रातिशाख्य, शुक्ल यजुर्वेद प्रतिशाख्य, कृष्ण यजुर्वेद प्रातिशाख्य (तैत्तिरीय), सामवेद प्रातिशाख्य (पुष्पसूत्रम्), अथर्ववेद प्रातिशाख्य, अर्थवेद प्रतिशाख्य (चतुरध्यायी)] का प्रशिक्षण विद्यार्थियों को करने के लिये तथा वैदिक विद्याओं के पूर्ण फल को प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन में जागृत करने के पवित्र उद्देश्य से की गई है।

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम् का लक्ष्य है- आदर्श व्यक्ति, समस्याविहीन, रोगविहीन, दु:खविहीन, संघर्षविहीन, सुखी और श्रीयुक्त आदर्श समाज, आदर्श भारत का निर्माण करना एवं वेदभूमि, पूर्ण भूमि भारत के दिव्य योगिक एवं दैवी जागरण में समस्त विश्व के लिये सुख शांति का मार्ग प्रशस्त करना। विद्यापीठ का परम लक्ष्य है भूतल पर स्वर्ग का निर्माण करना।

विद्यापीठम् में ज्ञान-विज्ञान के पूर्ण सिद्धांत और प्रयोगों को लेकर, चेतना-विज्ञान प्रधान शिक्षा के सिद्धांत और प्रयोगों के साथ आधुनिक भौतिक विज्ञान प्रधान शिक्षा के प्रांगण में विद्यार्थी पूर्ण ज्ञान प्राप्त करके सर्वसमर्थ चेतनावान, ऋद्धि-सिद्धिवान, ओजस्वी-तेजस्वी व्यक्तित्व वाले आदर्श नागरिक बनेंगे।

महर्षि जी द्वारा संस्थापित विद्यापीठ्म के 38 आवासीय परिसरों में अबतक 50,000 से भी अधिक विद्यार्थी अध्ययन कर चुके हैं। वर्तमान में लगभग 6000 विद्यार्थी और वैदिक पंडित हैं जो वैदिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इन वैदिकों को नि:शुल्क शिक्षा, आवास, भोजन व्यय, वस्त्र, नित्य उपयोग की वस्तुयें आदि प्रदान की जाती हैं। निशुल्क सुविधाओं के अतिरिक्त 1000 से 20,000 रू. प्रतिमाह नकद छात्रवृति भी प्रदान की जाती है।

दूरभाष: +91 755-4087300 • **मोबाइल:** +91 8770597634
वेबसाइट: www.mvvvvp.org • **ईमेल:** tmindia@mssmail.org

महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह

भारत के 15 प्रान्तों में 153 महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय संचालित हैं जिनमें लगभग 1,00,000 विद्यार्थी और 6500 शैक्षणिक व अशैक्षणिक कार्यकर्ता हैं। 97 महर्षि विद्या मन्दिर सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकेन्ड्री एजूकेशन (सी.बी.एस.ई.) से मान्यता प्राप्त हैं और अन्य सम्बधित प्रान्तीय शिक्षा मण्डल या प्रान्तीय शिक्षा विभाग से संबद्ध हैं। अब तक 1 लाख से अधिक विद्यार्थी महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालयों से शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं और उच्च शिक्षा लेकर व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सफलता के उच्च शिखर पर आसीन हैं।

सामान्य सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम के अतिरिक्त **''चेतना पर आधारित शिक्षा''** महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालयों की विशेषता है। समस्त विद्यार्थी व कार्यकर्ता प्रतिदिन 2 बार 15-20 मिनिट के लिये भावातीत ध्यान और फिर पतंजलि योग सूत्रों पर आधारित सिद्धि कार्यक्रम का अभ्यास करते हैं। महर्षि वेद विज्ञान के समस्त 40 क्षेत्रों का ज्ञान, विशेष रूप से नित्य उपयोगी योग, प्राणायाम, आयुर्वेद, ज्योतिष, वास्तुविद्या, गन्धर्ववेद का ज्ञान उन्हें क्रमबद्ध पाठ्यक्रम द्वारा प्रदान किया जाता है। प्रत्येक

विषय के प्रत्येक पाठ को विद्यार्थी अपने स्वयं के जीवन और समाज से जोड़कर उसकी उपयोगिता को समझते हैं। विद्यार्थी भारतीय ज्ञान-विज्ञान, परम्पराओं, संस्कारों में शिक्षित होकर एक सफल, आदर्श एवं उत्तरदायी विश्व नागरिक की भूमिका निभाते हैं।

अधिक से अधिक विद्यार्थी संस्कारवान हों, चेतना पर आधारित शिक्षा प्राप्त करके विश्व में भारत का जगद्गुरुत्व स्थापित कर सकें, इसके लिये महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह ने **''सहयोगी विद्यालय योजना''** प्रारम्भ की है। जो व्यक्ति या संस्थायें नवीन विद्यालय प्रारम्भ करना चाहते हों या विद्यालय का संचालन कर रहे हों, वे इस योजना में भाग ले सकते हैं। महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह सहयोगी विद्यालयों में वैदिक ज्ञान-विज्ञान, योग, प्राणयाम, ध्यान और भारतीय संस्कार सम्मिलित करने में सहायता करेगा, शैक्षणिक स्तर को ऊँचा उठाने, शिक्षकों और अन्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण और प्रशासनिक उपलब्धियाँ की व्यवस्था करेगा। इच्छुकजन ईमेल अथवा दूरभाष पर सम्पर्क कर सकते हैं।

दूरभाष: 0755-6767100 **मोबाइल:** 9893700746
वेब साइट: www.mvmindia.com
ईमेल: mvm@mssmail.org

महर्षि किड्स होम

बाल्यकाल से भारतीय संस्कार देना अतिआवश्यक है किन्तु दुर्भाग्यवश वर्तमान में 2 वर्ष की आयु से और प्राथमिक विद्यालय के पूर्व की शिक्षा में अभिभावक और विद्यालय इस होड़ में लगे हैं कि कैसे 2 से 5 वर्ष का एक अबोध बालक न केवल फटाफट अंग्रेजी भाषा बोलने लगे वरन् वह पूरी तरह अंग्रेजों के संस्कार से युक्त हो जाए। यही कारण है कि आज विद्यार्थी और युवा पीढ़ी संस्कार विहीन, उश्रृंखल, अपराधी, असहिष्णु, असहनशील, मानसिक और शारीरिक रूप से अस्वस्थ हो रही है।

महर्षि किड्स होम में ऐसी शिक्षा व्यवस्था की गई है कि अल्पायु से ही बालक-बालिकायें भारतीय ज्ञान-विज्ञान और संस्कारों में ढल जायें। उनका मन, मस्तिष्क और चेतना स्वाभावत: ऐसी विकसित हो कि वे सतोगुणी, ओजस्वी, तेजस्वी, सर्वसमर्थ और आत्मनिर्भर सहिष्णु, उत्तरदायी आदर्श नागरिक बन सकें।

महर्षि किड्स होम की सहयोगी संस्था के रूप में प्रारम्भ करने के लिये इच्छुक नागरिक एवं संस्थायें सम्पर्क कर सकते हैं।

दूरभाष: 0755-6767100 **मोबाइल:** 9893700746
वेब साइट: www.mkhbhopal1.org
ईमेल: mkhno@mssmail.org

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग २(F) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त)

मध्य प्रदेश विधानसभा द्वारा 19 सितम्बर 1995 को एक विशेष विधेयक सर्वसम्मति से पारित करके महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। महर्षि विश्वविद्यालय 2,20,000 से अधिक विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षित कर चुका है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में निम्नलिखित पाठ्यक्रम इसके मुख्य परिसर ब्रह्मस्थान, ग्राम करौंदी, उमरियापान, जिला कटनी में उपलब्ध हैं-

स्नातक- बी.ए., बी.कॉम, बी.सी.ए., बी.बी.ए., बी. एससी. (कम्प्यूटर विज्ञान/सी.बी.सीएस./पी.सी.एम.), बी. एस.डब्ल्यू., शास्त्री (ज्योतिष/स्थापत्यवेद/योग/वेद एवं यज्ञानुष्ठान), बी.लिब., बी.एड., बी.पी.एड., बी.ए.बी. एड. एवं बी.एल.एड.।

स्नातकोत्तर- एम.बी.ए., एम.कॉम, एम.एससी.(गणित/ कम्प्यूटर विज्ञान/रसायन शास्त्र/वनस्पति शास्त्र), एम.ए. (हिन्दी/अंग्रेजी/संस्कृत/इतिहास/राजनीति शास्त्र/ अर्थशास्त्र/ समाजशास्त्र/शिक्षा/मनोविज्ञान/भूगोल/मानव चेतना एवं योग विज्ञान), एम.एस.डब्ल्यू., आचार्य (ज्योतिष/ स्थापत्यवेद (वास्तु)/योग/वेद एवं यज्ञानुष्ठान) एम.लिब.।

पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम- पी.जी.डी.सी.ए., पी.जी. डिप्लोमा इन- (वेद विज्ञान/ कर्मकाण्ड/ रूरल डेवलपमेन्ट/ सोशल वर्क/योग/योग थैरेपी/ज्योतिष मानव चेतना एवं योग विज्ञान)।

डिप्लोमा पाठ्यक्रम- डी.सी.ए., डी.एल.एड., डिप्लोमा इन-(टैली ERP9+GST/एन्टरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट/रिटेल मैनेजमेंट/ब्रांड मैनेजमेंट/ मार्केटिंग मैनेजमेन्ट/ ज्योतिष, कर्मकाण्ड/योग) ।

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम- सर्टिफिकेट (NGO मैनेजमेंट/ ज्योतिष/हस्तरेखा/ स्थापत्य वेद (वास्तु)/योग/मार्डन ऑफिस मैनेजमेंट)।

पीएचडी- वेद, संस्कृत, योग, ज्योतिष, वाणिज्य, प्रबंधन, शिक्षा, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास।

महर्षि विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम की धारा 2(f) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त है एवं इसकी सभी उपाधियां यू.जी.सी. द्वारा मान्य हैं। महर्षि विश्वविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी को अष्टांग योग की शिक्षा तथा वेद-विज्ञान की शिक्षा अनिवार्य रूप से प्रदान की जाती है। साथ ही प्रात: एवं संध्या भावातीत ध्यान, सिद्धि कार्यक्रम, योगिक उड़ान का अभ्यास कराया जाता है जिससे विद्यार्थी शांत प्रकृति से, योग में स्थित होकर कर्म करने की विद्या का उपयोग करके मानसिक शांति, शारीरिक विश्राम, प्रखर बुद्धि, अनंत सकारात्मक ऊर्जा, ज्ञानार्जन की अद्भूत

शक्ति प्राप्त करते हैं और एक सफल आदर्श नागरिक की भूमिका निभाते हैं।

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय का मुख्य परिसर भारतवर्ष के भौगोलिक केन्द्र बिन्दु-भारत के ब्रह्मस्थान, ग्राम करौंदी, पानउमरिया, जिला कटनी (पूर्व में जिला जबलपुर) में स्थित है जहाँ लगभग 50 एकड़ में प्रशासनिक भवन, शैक्षणिक भवन, पुस्तकालय, कम्प्यूटर केन्द्र भवन, फैकल्टी व स्टाफ आवास, विद्यार्थी छात्रावास, कुलाधिपति, कुलपति और कुलसचिव आवास आदि का निर्माण हो चुका है।

महर्षि विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग और छात्राओं के लिये शिक्षण शुल्क में विशेष छूट का प्रावधान है।

मोबाइल: 9343609312, 14, 15 एवं 16
वेब साइट: www.mmyvv.org
ईमेल: mmyvvkaroundi@gmail.com

महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नॉलॉजी

महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 2002 में विधानसभा में इस आशय का अधिनियम पारित कर स्टेट यूनिवर्सिटी के रूप में स्थापित की गयी थी। यह विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ राज्य के मंगला क्षेत्र, बिलासपुर में स्थापित है। सन् 2015 में छत्तीसगढ़ शासन ने इस विश्वविद्यालय के अधिनियम को निरस्त कर दिया। तत्पश्चात छत्तीसगढ़ प्राईवेट यूनिवर्सिटीज (स्टेब्लिशमेंट एंड ऑपरेशन्स) (अमेंडमेंट) एक्ट 2018 के द्वारा पुनः इस विश्वविद्यालय की स्थापना एक निजी विश्वविद्यालय के रूप में की गयी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सूची में 2 (एफ) के अंतर्गत महर्षि यूनिवर्सिटी आफॅ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी मान्यता प्राप्त है। इस विश्वविद्यालय में निम्नलिखित पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं :-

- **विज्ञान/कम्प्यूटर विज्ञान संकाय:** बी.एससी (आई टी) (ऑनर्स/रिसर्च) बीसीए, एम.एससी (आई टी), पीजीडीसीए, डीसीए, डीएमए
- **वाणिज्य एवं प्रबन्धन संकाय:** बीए (ऑनर्स/रिसर्च), बीबीए, एम.कॉम
- **कला, ललित कला शिक्षा, मानविकी और अनुप्रयुक्त कला संकाय:** बीए (ऑनर्स/रिसर्च) बीएफए, डी.एल.एड, डीएफएल
- **सामाजिक विज्ञान संकाय:** बीएसडब्ल्यू, बी.लिब.आई.एससी, पीजीडीएलएएन, एम. लिब,आई.एससी)
- **वैदिक विज्ञान एवं योग संकाय:** बीए, एमए, पीजीडीवाईडीएचएलएम, डीवीएस, डीवाई,पीजीडीवीएस, पीजीडीवाईएन, पीजीडीएटी, पीजीडीजे
- **पोस्ट ग्रेजुएड डिग्री कोर्स:** अंग्रेजी, हिन्दी, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, लोक प्रशस्ति, भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृत, छत्तीसगढ़ी, मनोविज्ञान, भूगोल
- **अनुसंधान कार्यक्रम:** पीएचडी

दूरभाष: 0775-2414301 **मोबाइल:** 7898984423
वेब साइट: www.mumt.org
ईमेल: mumt.registrar1@gmail.com

महर्षि इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट

महर्षि इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की स्थापना 1994 में हुई थी। इन्स्टीट्यूट का प्रमुख उद्देश्य, मैनेजमेन्ट के क्षेत्र में वैदिक मेनेजमेंट के सिद्धांतों और प्रयोगों का समावेश करके विद्यार्थियों को प्रबंधन और प्रशासन की पूर्णता उपलब्ध कराना तथा व्यवसाय, वाणिज्य व इन्डस्ट्रीज की आवश्यकतानुसार प्रबुद्ध एवं विशेषज्ञ प्रबंधक उपलब्ध कराना है। महर्षि इन्स्टीट्यूट अपने उद्देश्यों में पूर्णतः सफल हुआ और इसके विद्यार्थी आज भारत व अनेक देशों में व्यावसायिक संस्थानों में अनेक उच्च पदों पर आसीन होकर सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

महर्षि इन्स्टीट्यूट की तीन शाखायें भोपाल, इन्दौर और बैंगलोर में संचालित हैं। इन इन्स्टीट्यूटस में बी. काम., बी. काम. (कम्प्यूटर साइंस), बी.बी.ए., बी.सी.ए., बी. बी.एम., पीजीडीएम, एमसीए, एमबीए, बीएड और बीए-बीएड पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्रदान की जाती है। कृपया इन्स्टीट्यूट की वेबसाइट से विभिन्न शाखाओं में उपलब्ध पाठ्यक्रमों की सूची देख लें।

महर्षि इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भोपाल: दूरभाष: +91-0755 2854936
मोबाइल: 9584622200, 9425303178, 9713060030/31 **Email:** dirmimbhopal@gmail.com
महर्षि इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इन्दौर:
मोबाइल: 9977061001, 8518889535, 9826048223 **Email:** mimindore@yahoo.com
महर्षि इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बैंगलोर: मोबाइल: 8068352270, 9482386024
Email: mimbangaluru@mssmail.org **वेब साइट:** www.maharishiinstituteofmanagement.org

महर्षि कॉरपोरेट डेवलपमेंट प्रोग्राम

महर्षि कारपोरेट डेवलपमेंट प्रोग्राम (एमसीडीपी) प्रत्येक व्यवसाय-व्यापार के लिए अतिआवश्यक और विशेष कार्यक्रम है जो व्यवसाय के आधार में स्थित मानव चेतना का विकास करता है। मानव की विकसित चेतना एक अच्छे प्रबन्धक के लिये पूर्ण जागृति, रचनात्मकता, क्रियाशक्ति, उत्तम स्वास्थ्य, कार्यकुशलता और प्रसन्नता का आधार है। कर्मचारियों की विकसित सर्वसमर्थ चेतना ही व्यवसाय की सफलता सुनिश्चित करती है। एमसीडीपी, वैज्ञानिक अनुसंधानों द्वारा प्रमाणित भावातीत ध्यान और इसके उन्नत तकनीकों के नित्य अभ्यास द्वारा चेतना की उच्च और गहन अवस्था-भावातीत चेतना-शुद्ध चेतना का अनुभव कराती है जहाँ प्रकृति के समस्त नियम जागृत होते हैं और इस चेतना में स्थित होकर विचार और कार्य करके प्रकृति के नियमों की पूर्ण सामर्थ्य प्राप्त होती है। अनंत रचनात्मकता, क्रियाशक्ति, पूर्ण सफलता और अनेकानेक उपलब्धियों की प्राप्ति होती है। परिणाम स्वरूप व्यवसाय में सरलता, समस्या रहित प्रशासन, सौभाग्य और समृद्धि का उपहार प्राप्त होता है।

विश्व की सैकड़ों फार्चून कम्पनीज ने महर्षि कॉरपोरेट डिवेलपमेंट प्रोग्राम को अपने यहाँ अपनाकर उर्द्धगामी विकास किया है। मानव संसाधन विकास का यह विश्व में सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम है।

दूरभाष: +91-755-6767100
मोबाइल: +91 9893700746
वेब साइट: www.mcdpindia.org

महर्षि विश्व शान्ति आंदोलन

(विश्व शान्ति की स्थायी स्थापना, प्रत्येक व्यक्ति को प्रबुद्धता एवं प्रत्येक राष्ट्र को अजेयता)

शाश्वत सनातन वैदिक सिद्धाँतों के आधार पर ब्रह्मलीन परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी ने विश्व परिवार में दीर्घकाल से अपेक्षित और प्रतीक्षित विश्व शन्ति और अजेयता स्थापित करने का प्रायोगिक कार्यक्रम बनाया और अनेक देशों में इस कार्य योजना का क्रियान्वयन होने लगा। 2008 में महर्षि जी के ब्रह्मलीन होने के पश्चात समय की आवश्कता और मांग के अनुसार इस कार्य को द्रुत गति से एक आंदोलन का रूप देकर करने का संकल्प हुआ और 18 जुलाई 2008 श्री गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर महर्षि जी के परम् प्रिय और तपोनिष्ठ शिष्य ब्रह्मचारी गिरीश जी द्वारा **''महर्षि विश्व शान्ति आंदोलन''** की स्थापना और शुभारंभ हुआ।

महर्षि विश्व शांति आंदोलन का संकल्प है कि महर्षि जी द्वारा 70 वर्षों पूर्व रोपित पौधा जो कि अब विशाल ज्ञान वृक्ष का रूप ले चुका है। इस विश्व शान्ति और अजेयता के महाज्ञानफल को अब विश्व के प्रत्येक नागरिक और राष्ट्र को उपलब्ध कराया जाये। यह लक्ष्य दुष्कर है किन्तु इस आन्दोलन के माध्यम से लक्ष्यभेद अवश्य होगा। इस शांति आंदोलन का संकल्प है कि इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले चलें और शांत-प्रशांत मानवीय चेतना के शान्त मन को जागृत करके सारे विश्व में फैला दें। भारतीय शाश्वत ज्ञान के ओजमय-तेजमय प्रकाश की विजय पताका तमसयुक्त अज्ञानता पर फहरायें। दु:ख, निर्धनता, रोग, रजोगुणी, तमोगुणी चेतना तथा नकारात्मक प्रवृत्तियों को सुख, समृद्धि, स्वस्थ्य, सतोगुणी चेतना और सकारात्मक प्रवृतियों में कल्पित करें। भूतल पर स्वर्ग का सा वातावरण हो और अब त्वरित प्रभाव से समस्त मानव जाति इस कलिकाल में सतयुग का सा जीवन लाभ उठायें, यही महर्षि विश्व शान्ति आन्दोलन का परम उद्देश्य व लक्ष्य है। महर्षि विश्व शान्ति आन्दोलन प्राचीन वैदिक

और आधुनिकतम विज्ञान से प्रमाणित शांति विधान को उपयोग में लाता है, जो कि गहराई से परीक्षित एवं पूर्ण रुपेण व्यवस्थित परस्पर सौहाद्रता की और राष्ट्रीय सुरक्षा की तकनीक है। व्यक्तिगत शांति और विश्व शांति सभी को समानरूप से लाभान्वित करने वाली है अत: समाज के सभी वर्गों, धर्मों, विश्वास, आस्था और पृष्ठभूमि के नागरिकों के सक्रिय सहयोग और सक्रिय भागीदारी का आवाह्न है। अब तक बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक इस आंदोलन से जुड़ चुके हैं।

दूरभाष: 0755-6767100 **मोबाइल:** 9893700746
वेब साईट: www.mwpm.in
ईमेल: mwpm@mssmail.org

महर्षि वैदिक स्वास्थ्य केन्द्र

भारतवर्ष के मध्य प्रान्त मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के उत्तर में बैरसिया मार्ग पर महर्षि वैदिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना की गई है। इस स्वास्थ्य केन्द्र में 84 शयन कक्ष, 18 पंचकर्म चिकित्सा कक्ष, वैदिक ग्रंथालय, अध्ययन कक्ष, ऑडियो-वीडियो कक्ष, ध्यान कक्ष, पूजन कक्ष, आधुनिक पाकशाला व भोजनालय है। उच्च श्रेणी के अनुभवी पुरुष व महिला वैद्य तथा प्रशिक्षित पंचकर्म तकनीशियन्स हैं। पूरा केन्द्र वातानुकूलित है। आयुर्वेदिक पत्थ्यापत्थ्य के अनुसार शुद्ध जैविक भोजन यहाँ उपलब्ध होता है। उद्यान सुन्दर पुष्पों तथा आयुर्वेदिक औषधियों से पूरित है।

महर्षि जी ने अनेक वर्षों तक भारत के सिद्ध वैद्यों के साथ मिलकर **''वैदिक स्वास्थ्य विधान''** की रचना की जिसके अनुसार समस्त सम्भव वैदिक विधानों का उपयोग करके पहले तो रोगों की रोकथाम की जाती है और यदि कोई रोग हो जाये तो विभिन्न प्रयोगों और शुद्ध जैविक हरित औषधियों से चिकित्सा की जाती है। वैदिक पंचकर्म इस चिकित्सा केन्द्र की विशेषता है जिसके माध्यम से शरीर के समस्त विषैले (टॉक्सिक) तत्वों को निकालकर शरीर की शुद्धि कर दी जाती है। उत्तर और मध्य भारत में यह अपने तरह का एक मात्र चिकित्सा केन्द्र है जहाँ विश्व भर से व्यक्ति स्वास्थ्य लाभ करने आते हैं।

दूरभाष: 755-2432100 **मोबाइल:** 9993099733
ईमेल: mvhc.reserve@mssmail.org
वेब साईट: www.mvhc.in

महर्षि वैदिक प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान

भारत के महान सपूत एवं विश्व प्रसिद्ध चेतना वैज्ञानिक परम् पूज्य महर्षि महेश योगी जी के द्वारा भारतीय वैदिक ज्ञान के साथ आधुनिक शिक्षा के प्रसार हेतु देश में कई शैक्षणिक एवं आध्यात्मिक संस्थाओं की स्थापना की गई जिनमें बड़ी संख्या में प्रशासक, प्राचार्य, शिक्षक एवं अन्य कर्मचारीगण कार्यरत हैं। महर्षि जी का यह दृढ़ विचार था कि किसी भी संस्था के पूर्ण कार्य कुशलता से संचालन हेतु शिखर से निचले स्तर तक के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों में उच्च योग्यता एवं प्रशासनिक कौशल का होना अत्यंत आवश्यक है। महर्षि जी के इस स्वप्न को साकार करने के उद्देश्य से **''महर्षि वैदिक प्रशासक प्रशिक्षण संस्थान''** की वर्ष 2015 में स्थापना की गई। विभिन्न शासकीय एवं निजी संस्थानों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रबंधन क्षमता में विकास हेतु **'सेवारत प्रशिक्षण'** के अन्तर्गत आधुनिक प्रबन्धन विज्ञान के साथ-साथ भारतीय

वैदिक ज्ञान-विज्ञान का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। महर्ष संस्थान में नये नियुक्त होने वाले कर्मियों को महर्षि संस्थान के आदर्शों एवं विचारधारा से अवगत कराने के लिये **'अधिष्ठापन प्रशिक्षण'** की व्यवस्था भी इस प्रशिक्षण संस्थान में की गई है।

इसके साथ ही साथ संस्थान की त्वरित आवश्यकताओं के कुशलतापूर्वक क्रियान्वयन हेतु यहां **'संक्षिप्त प्रशिक्षण'** की भी व्यवस्था है। विद्यालय तथा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के आध्यात्मिक विकास हेतु 10 दिवसीय **''महर्षि वैदिक जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम''** भी उपलबध है। संस्थान के समस्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों में महर्षि जी प्रणीत भावातीत ध्यान का प्रशिक्षण करके प्रतिदिन प्रातः संध्या अभ्यास भी कराया जाता है जिससे तनाव से मुक्त होकर व्यक्ति स्वस्थ, प्रसन्न, प्रफुल्लित रहता है।

स्थापना वर्ष 2015 से अब तक तक महर्षि वैदिक प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान के द्वारा अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये जा चुके हैं जिनमें लगभग 2500 अधिकारियों कर्मियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

दूरभाषः 755-6767100 **मोबाइलः** 9893700746
ईमेलः mwpm@mssmail.org

महर्षि गौशाला एवं प्रशिक्षण केन्द्र

ग्रामीणों को अपने घर में पारम्परिक ढंग से और आधुनिक ढंग से सम्बन्धित रूप से अपने-अपने घरों में गौपालन और गौ उत्पादकों से लाभ प्राप्त करने का प्रशिक्षण देने के लिये महर्षि गौशाला की स्थापना की गई है। वर्तमान में सौ गौओं से गौशाला प्रारम्भ की गई है। दूध, दही, घी, मठा, पनीर के उत्पादन के अतिरिक्त गोबर व गौमूत्र के अनेक उपयोगी उत्पादों पर भी शोध चल रही है। सफलता पूर्वक संचालन के पश्चात् भारतभर में महर्षि गौशालाओं की स्थापना की जायेगी।

मोबाइलः +91 8982346936, 9893700746

महर्षि स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान

महर्षि संस्थान ने आयुर्वेद व योग चिकित्सा के लिये एक उच्च श्रेणी का 50 शैयाओं वाले चिकित्सालय की स्थापना की है। इसी चिकित्सा के साथ महर्षि स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान भी प्रारम्भ किया गया है। यह संस्थान परा चिकित्सकीय पाठ्यक्रम, वैद्यों, पंचकर्म तकनीशियन, स्वास्थ्य परिचारिका व सहायक, स्पा तकनीशियन व योग प्रशिक्षणकों का प्रशिक्षण करेगा, जिनकी अत्याधिक कमी है।

दूरभाषः +91-755-6767100
मोबाइलः +91 9893700746
ईमेलः mwpm@mssmail.org

महर्षि आनन्द निकेतन

वरिष्ठ नागरिकों, विशेष स्वास्थ आवश्यकताओं और व्यावसायिक संस्थानों के अधिकारियों को प्रशिक्षण के लिये 180 व्यक्तियों के रहने की व्यवस्था युक्त महर्षि आनन्द निकेतन की स्थापना हुई है। यह निकेतन ऐतिहासिक भोजेश्वर मन्दिर, भोपाल के ठीक सामने तथा बेतवा नदी के सुन्दर तट पर है। जीवन परक वैदिक ज्ञान-विज्ञान की प्राप्ति एवं चेतना के विकास की वैदिक तकनीक की साधना द्वारा सफल, स्वस्थ, आनन्दमय, प्रबुद्ध, शांतिमय एवं भूतल पर स्वर्ग जैसा जीवन जी सकना इसके पाठ्यक्रम महर्षि आनन्द निकेतन में उपलब्ध हैं।

मोबाइलः +91 7987379206, 9893700746
ईमेलः mdindia@mssmail.org
वेब साईटः www.mbrindia.in

महर्षि कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केन्द्र

महर्षि शिक्षा संस्थान ने दक्षिण भोपाल में एक विशाल कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना की है

जिसमें प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण प्राप्ति के साथ ही कुछ धनोपार्जन भी कर सकेंगे। इस केन्द्र में विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण के पश्चात् रोजगार उपलब्ध कराने की योजना भी है। महर्षि कौशल विकास केन्द्र ने अनेक गावों का सर्वे करके 1000 से अधिक प्रशिक्षार्थियों को चिन्हित किया है, शिक्षकों व प्रशिक्षकों को चिन्हित करके नियुक्ति की गई है, प्रशिक्षण प्रयोगशालायें बन गई हैं, विक्रय केन्द्र स्थापित किये जा रहे हैं, प्रशिक्षण परिसर के भवन का निर्माण हो चुका है।

रोजगार प्रशिक्षण के साथ जीवन में पूर्ण सफलता हेतु जीवन परक वैदिक ज्ञान-विकास के पाठ्यक्रम भी सभी को दिये जायेंगे।

मोबाइल: +91 9893700746, 9425008470

महर्षि नर्सरी

जैविक कृषि, वानकी एवं उद्यानिकी का प्रशिक्षण बड़ी संख्या में जनसामान्य को प्रदान करने के लये महर्षि नर्सरी भोपाल मध्य प्रदेश में प्रारम्भ की गई है। महर्षि नर्सरी द्वारा विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से अब तक लगभग 20 लाख पौधारोपण किया जा चुका है। नर्सरी ने घरों में सब्जी, पुष्प व आयुर्वेदिक औषधियाँ उगाने का प्रशिक्षण वृहद् स्तर पर आयोजित करना प्रारम्भ किया है। घर-घर जाकर और विभिन्न संस्थानों में जाकर प्रशिक्षण देना महर्षि नर्सरी की विशेषता है।

मोबाइल: +91 9425008470

महर्षि वेद विज्ञान प्रकाशन

संयोगवश भारत वर्ष में हिन्दी भाषा में और अन्य भारतीय भाषाओं में महर्षि जी की बहुत कम पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। महर्षि वेद विज्ञान प्रकाशन ने संकल्प लिया है कि महर्षि जी के विभिन्न विषयों पर उपलब्ध व्याख्यानों को पुस्तक रुप में हिन्दी तथा भारत वर्ष की अन्य भाषाओं में प्रकाशित करके भारत के कोने-कोने में बसे जिज्ञासु नागरिकों तक पहुंचायें।

हमें आशा है और विश्वास है कि महर्षि जी द्वारा पुनर्जाग्रत पुनर्गठित और पुनर्स्थापित वैदिक ज्ञान विज्ञान के पूर्ण सिद्धांत और प्रयोग समस्त भारतीयों और भारतीयों के माध्यम से समस्त विश्व के जनमानस तक सरलता से पहुंच सकेंगे और भू-मण्डल के सभी प्राणी मानव जीवन के परम आवश्यक चतुर्विध फल धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति कर अपने जन्म को धन्य करेंगे ।

महर्षि वेद विज्ञान प्रकाशन की पुस्तकें

01. भावातीत ध्यान-योग शैली 02. महर्षि आदर्श भारत अभियान 03. Maharishi Ideal India Campaign 04. आन्तरिक और बाह्य जीवन-बैंक और बाजार 05. महर्षि महेश योगी-पचास वर्षों की उपलब्धियां 06. महर्षि योग 07. श्री गुरुदेव की कृपा का फल 08. ज्ञान की गागर 1, 2 एवं 3 09. महर्षि भावातीत ध्यान (परिचय, लाभ एवं पद्धति) 10. महर्षि सिद्ध निर्माण योजना (भावातीत ध्यान, भक्ति और कर्म) 11. महर्षि वेद विज्ञान दर्शन, 12. भारतीय शिक्षा विषारदों और विद्यार्थियों के लिये महर्षि महेश योगी जी का संदेश, 13. महर्षि जी का सरल उपदेश 14. महर्षि जन्म शताब्दी वर्ष-100 वर्ष। 15. A Report on 100 Conferences on-Life is Bliss. 16. भारत विश्व का सर्वोच्च शक्तिशाली राष्ट्र होगा 17. India to Be the Supreme Power in the World 18. परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की छत्र-छाया में ब्रह्मचारी गिरीश 19. ओजस्वी-सम्पूर्ण स्वास्थ्य निर्देशिका भाग-1 एवं महर्षि वेद विज्ञान श्रृंखला भाग 1 से 8।

फोन नं.: 0755-6630100, 011-43029315
वेब साइट: www.vvprakashan.in
ईमेल: vvprakashan108@gmail.com

महर्षि आध्यात्मिक जन जागरण अभियान

(महर्षि विश्व शांति ट्रस्ट की एक इकाई)

महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष और महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान के प्रणेता ब्रह्मचारी गिरीश जी ने वेद भूमि भारत के सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि हम सभी को देवी-देवताओं के स्तोत्रों तथा श्री रामचरितमानस, श्रीमद्भगवदगीता का शुद्ध एवं सही रूप से पाठ करना सीखना चाहिए और उनके व्यापक अर्थ को समझना चाहिए। इस प्रकार पाठ करने से सफल, आनंदमय, शांतिपूर्ण और प्रबुद्ध जीवन सहित कई लाभ हैं। उन्होंने अनुरोध किया है कि सभी लोग इसके लिए प्रतिदिन एक घंटे का समय निकालना सुनिश्चित करें।

महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान के अंतर्गत श्री रामचरितमानस और श्रीमद्भगवदगीता तथा देवी-देवताओं के स्तोत्रों का शुद्ध एवं सही उच्चारण से पाठ करना सिखाने हेतु एवं उनमें निहित विचारों को समझाने के लिए सम्पूर्ण भारत में बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला शिक्षकों की आवश्यकता है।

इसके लिए महर्षि संस्थान द्वारा अल्प शुल्क पर 30 से 45 दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। तदानुसार शिक्षक बनने की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हिंदी या संस्कृत विषय के साथ स्नातक है। किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अन्य विषयों के साथ स्नातक भी आवेदन कर सकते हैं यदि उन्हें श्रीरामचरितमानस, श्रीमद्भगवदगीता और देवी-देवताओं के स्तोत्रें को पढ़ने/पाठ करने का अच्छा अभ्यास है। इन विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त आवेदकों को वरीयता दी जाएगी। सेवानिवृत्त नागरिकों सहित 21 से 60 वर्ष के आयु वर्ग के मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ सभी व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं।

इस प्रशिक्षण के सफल समापन के पश्चात प्रतिभागियों को श्रीरामचरितमानस, श्रीमद्भगवदगीता और विभिन्न देवी-देवताओं के स्तोत्रें का शुद्ध एवं सही उच्चारण से पाठ करना सिखाने एवं उनमें निहित विचारों को जनमानस को समझाने के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना होगा और पूरे देश में महर्षि संस्थान के अन्य कार्यक्रमों का संचालन करना होगा। इस हेतु संस्थान कार्यक्रम के आयोजन में होने वाला संपूर्ण व्यय वहन करेगा तथा संबंधित के यात्र, कार्यक्रम स्थल पर रहने, भोजन आदि पर होने वाले वयय की भी प्रतिपूर्ति की जावेगी। इसके साथ ही महर्षि संस्थान के कार्यक्रमों के माध्यम एवं उत्पादों के विक्रय, से प्राप्त राशि का कुछ भाग प्रोत्साहन के रूप में दिया जाएगा।

आवेदन करने के इच्छुक व्यक्ति निम्नलिखित पते पर संपर्क करें या अधिक जानकारी के लिए फोन नंबर पर सम्पर्क करें :-

महर्षि विश्व शांति ट्रस्ट, हॉल नंबर १६, तृतीय तल, सारनाथ कॉम्प्लेक्स, बोर्ड ऑफिस के सामने, शिवाजी नगर, भोपाल ४६२०१६
मोबाइल: +9425008470, 0755-4276931
ईमेल: mwpm@mssmail.org

महषि आदर्श भारत अभियान

भगवान श्रीराम का चरित्र और उनके 'रामराज्य' का प्रबंधन हम भारतीयों के समक्ष आदर्श भारत की सुव्यवस्था प्रस्तुत करता है।

परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी ने प्रत्येक समाज में आदर्श व्यक्ति, आदर्श समाज निर्माण का व्यावहारिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया है। महर्षि जी ने भारत में उन्नीसवीं सदी के साठ के दशक के मध्य के आदर्श समाज के विषय में बताया है तथा वर्ष 1979 में महर्षि जी ने भारत को पूरे विश्व परिवार के लिए सद्भाव और सामंजस्य का प्रभाव उत्पन्न करने वाले एक आदर्श समाज के निर्माण के वैज्ञानिक रूप से मान्य कार्यक्रम को प्रतिपादित किया है।

परम पूज्य महर्षि जी के इसी लक्ष्य के आधार पर उनके अत्यंत समर्पित एवं तपोनिष्ठ शिष्य ब्रह्मचारी गिरीश जी ने 'महर्षि आदर्श भारत अभियान' का शुभारंभ किया एवं 11 जनवरी 2015 को महर्षि ज्ञान युग दिवस

(महर्षि जी के जन्मदिवस-12 जनवरी को महर्षि ज्ञान युग दिवस के रूप में मनाया जाता है) से एक दिन पूर्व महर्षि आदर्श भारत अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया।

महर्षि आदर्श भारत अभियान, वेद एवं वैदिक साहित्य के सबसे प्राचीन ज्ञान 'शुद्ध ज्ञान, प्रकृति के नियमों का पूर्ण ज्ञान अर्थात् चेतना का ज्ञान, सबसे आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान जो हमारे जीवन का प्रमुख स्रोत है, पर आधारित है। यह विश्व भर में बड़ी संख्या में किए गए शोध अध्ययनों द्वारा मान्य है। वैदिक मूल्यों के सिद्धांतों का समावेश-ज्ञान की पूर्ण बौद्धिक खोज को सिद्ध करने के लिए जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पूर्ण ज्ञान-इस कार्यक्रम के आवश्यक तत्व हैं। साथ ही, इसमें वैदिक शिक्षा, वैदिक प्रशासन, वैदिक सुरक्षा, वैदिक अर्थव्यवस्था, वैदिक स्वास्थ्य, वैदिक कृषि, वैदिक शासन, वैदिक उद्योग, वैदिक वास्तुकला और वैदिक विधि जैसे जीवन के सभी क्षेत्रों में वैदिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग पर बल दिया गया है। यह तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक की चेतना शुद्ध और प्रबुद्ध हो। यह लगभग 15-20 मिनट के लिए प्रतिदिन दो बार प्रातः एवं संध्या भावातीत ध्यान का नियमित अभ्यास करके प्राप्त किया जा सकता है। इस नियमित अभ्यास से, साधक भावातीत चेतना में स्थापित होता है तथा प्रकृति के सभी नियमों का केन्द्र और प्रसन्न, स्वस्थ, समृद्ध, प्रबुद्ध, अजेय आदर्श जीवन के लिए ज्ञान, शक्ति और आनंद के सागर में गोता लगाता है- जिसे महर्षि जी ने धरती पर स्वर्ग के समान जीवन बताया है। इसी से महर्षि जी के आदर्श भारत की परिकल्पना पूरी होगी।

भारत का प्रत्येक नागरिक, चाहे वह उम्र, जाति, लिंग, आस्था या धर्म, पारिवारिक पृष्ठभूमि, वित्तीय पृष्ठभूमि, सामाजिक स्थिति और पेशे के किसी भी वर्ग से हो, चाहे वह कृषि, शासन, विज्ञान और अनुसंधान आदि से संबंधित हो, महर्षि आदर्श भारत अभियान में भाग लेने और अपनी भारत भूमि को आदर्श, प्रबुद्ध, अजेय बनाने की दिशा में थोडा समय और ऊर्जा का योगदान करने के लिए इच्छुक हों, महर्षि आदर्श भारत अभियान का सदस्य बन सकता है।

सहभागिता प्रपत्र के लिए संपर्क करें-

महर्षि विश्व शांति संस्थान, हॉल नं. १६, तृतीय तल, सारनाथ कॉम्प्लेक्स, बोर्ड ऑफिस के सामने, शिवाजी नगर, भोपाल ४६२०१६
मोबाइल: +9425008470, 0755-6767100
ईमेल: mwpm@mssmail.org
वेब साईट: www.aadarshbharat.net

महर्षि वैदिक जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम

धर्म-अधर्म, सही या गलत, अध्यात्म, अधिदेव और अधिभूत को व्यक्तिगत या सामाजिक संदर्भों के संदर्भ में परिभाषित करते हुए, 4 वेदों सहित वैदिक वांग्मय के सभी 40 क्षेत्रों में निहित भारतीय वैदिक ज्ञान, जीवन के सरल, पूर्ण और अक्षुण्य शाश्वत् मूल्य हैं। वेद विश्व में उपलब्ध सर्वोत्तम सिद्धांतों, प्रयोगों एवं समग्र ज्ञान आदि का स्रोत हैं। वेदोऽखिलो धर्ममूलं - वेद विश्व के सभी दर्शनों एवं सभी धर्मों का आधार हैं। विश्व भर के बुद्धि जीवियों ने एक स्वर से वेद के महत्व को स्वीकार किया है तथा उन्हें प्राचीनतम ग्रन्थ एवं विश्व धरोहर के रूप में मान्यता दी है।

सरल एवं सहज अनुभव तथा जीवन की अंतिम वास्तविकता - वैदिक ज्ञान एवं उसकी प्रौद्योगिकियों के फल - की अनुभूति के लिए, परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी ने हमें 'भावातीत ध्यान' पद्धति के रूप में एक सबसे व्यावहारिक पद्धति प्रदान की है, जिसका अभ्यास प्रतिदिन प्रातः संध्या मात्र 15-20 मिनट के लिए किया जाता है। इससे मन

शांतता की स्थिति तक पहुँच जाता है, चेतना भावातीत स्तर पर स्थापित हो जाती है, जो सभी संभावनाओं का क्षेत्र है तथा प्रकृति के सभी नियमों का गृह है।

महर्षि जी के परम समर्पित शिष्य ब्रह्मचारी गिरीश जी ने सुखी, पूर्ण, गौरवशाली, स्वस्थ, शांतिपूर्ण, प्रबुद्ध, अजेय तथा आदर्श जीवन की वैदिक पद्धतियों का प्रसार करने का निर्णय लिया, जिसका आधार भारतीय वैदिक ज्ञान एवं इसकी व्यावहारिक प्रौद्योगिकियों में निहित है। भावातीत ध्यान एवं महर्षि जी द्वारा प्रकाश में लाए गए इसके अग्रिम कार्यक्रम के विषय में हम सभी बहुधा पढ़ते, सुनते एवं विचार करते हैं। यद्यपि हम पाते हैं कि जिस अभ्यास, संकल्प और दृढ़ता को अपनी दिनचर्या में क्रियान्वित करना आवश्यक है, उसका अधिकांशतः अभाव होता जा रहा है। अतः 'आदर्श वैदिक जीवन प्रणाली' से न केवल सभी व्यक्तियों व समाज को परिचित कराना अति आवश्यक है, बल्कि उन्हें इन सिद्धांतों को दैनिक जीवन में अपनाने हेतु भी सहमत करना है। इसी उद्देश्य से महर्षि जी के वैदिक सिद्धांतों, दर्शन एवं प्रयोगों पर आधारित 10 दिवसीय 'महर्षि वैदिक जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम' 2015 से प्रारंभ किया गया है। कोविड-19 महामारी के दौरान दो वर्षों (2020 एवं 2021) के अतिरिक्त यह निरंतर प्रतिवर्ष आयोजित किया जा रहा है।

महर्षि संस्थान के इस प्रमुख कार्यक्रम के लिए प्रतिभागियों का चयन करने के उद्देश्य से भारत के 15 राज्यों में स्थित सभी 154 महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों में हर वर्ष जनवरी महीने में प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाती है। चयनित छात्र अपने शिक्षकों के साथ मई माह में इस कार्यक्रम में सम्मिलित होते हैं। इस कार्यक्रम को अन्य नागरिकों के लिए भी शुरू करने की योजना है।

अब तक महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों के हजारों प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया है तथा गहन ज्ञान एवं उत्ककृष्ट भावनाओं का अनुभव किया है। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पण, सूर्य नमस्कार, योगासन, प्राणायाम, भावातीत ध्यान, योगिक उड़ान सहित भावातीत धयान-सिद्धि कार्यक्रम का अभ्यास, ब्रह्मचारी गिरीश जी के गरिमामय सानिध्य में वैदिक ज्ञान एवं तकनीकों पर चर्चा, विभिन्न वैदिक आयामों पर विभिन्न वैदिक विशेषज्ञों और विद्वानों के साथ चर्चा इस कार्यक्रम के महत्वपूर्ण अंग हैं। सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए सुरक्षित और आरामदायक आवास व्यवस्था एवं स्वादिष्ट संतुलित जैविक भोजन भी इस कार्यक्रम के बहुत महत्वपूर्ण अंग हैं।

भाग लेने वाले विद्यार्थियों तथा उनके शिक्षकों के अनुभव इतने उत्ककृष्ट एवं असाधारण रहे हैं कि उनमें से कई प्रतिभागियों ने ब्रह्मचारी गिरीश जी से पाठ्यक्रम की अवधि 10 दिनों से अधिक बढाने का अनुरोध किया है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें
मोबाइलः 9893700746

महामीडिया

(राष्ट्रीय, सामाजिक मासिक पत्रिका)

परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी ने कई पुस्तकें लिखी हैं तथा भारतीय वैदिक विज्ञान को मानव जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में बहुत सरल एवं व्यावहारिक विधान से लागू करने के विषय में कई प्रवचन दिए हैं। उनका दृढ़ विश्वास था कि हम सभी को सदैव सकारात्मक रहना चाहिए और प्रत्येक अवसर को आनंदमय बनाने के लिए सदैव सकारात्मकता विस्तारित करना चाहिए।

आज प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा सतत् प्रसारित नकारात्मकता की भावना को दूर करने के लिए विद्वानों और मीडिया विशेषज्ञों के एक समूह ने जुलाई 2011 से राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक, आध्यात्मिक मासिक पत्रिका ''महा मीडिया'' प्रकाशित करने का निर्णय लिया।

विभिन्न विषयों पर परम पूज्य महर्षि जी के ज्ञान एवं ब्रह्मचारी गिरीश जी के संपादकीय को नियमित रूप से प्रकाशित करने के साथ-साथ महा मीडिया पत्रिका की सामग्री सामान्यतः मुख्य रूप से कला, संस्कृति, धर्म, शिक्षा से संबंधित सर्वोत्तम विचारों एवं प्रथाओं के माध्यम से समाज में सकारात्मकता प्रसारित करने पर केंद्रित है। यह पत्रिका विशेष रूप से शासन, सामाजिक व्यवहार और विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं के लिए अवसर, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, कृषि, पर्यावरण, वाणिज्य, राजनीति, योग, भावातीत ध्यान, खेल आदि के क्षेत्र में समसामयिक उपयोगी समाचार तथा विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न चुनौतियों पर मत भी प्रकाशित करती है।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति, विकास तथा भविष्य की दिशा निर्धारित करने का दायित्व उस राष्ट्र के बुद्धिजीवियों का होता है। महा मीडिया पत्रिका उस उत्तरदायित्व को भली भांति निभा रही है तथा साहित्य जगत में एक उज्जवलित तारे की भांति विद्यमान है।

सदस्यता लेने और पिछले अंक प्राप्त करने के लिए संपर्क विवरण इस प्रकार हैं-

फोनः 91-755-4276931
मोबाइलः 9893700746, 9425005194
ईमेलः niteshparmar56@gmail.com
वेब साईटः www.mahamedia.in

महर्षि विश्व शांति आंदोलन का त्रैमासिक ई-न्यूजलेटर

महर्षि विश्व शांति आंदोलन का उद्देश्य परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की परिकल्पना के अनुरूप प्रत्येक व्यक्ति एवं राष्ट्र के लिए वैश्विक शांति और अजेयता लाने के उद्देश्य से विभिन्न जाति, धार्म, मत, पंथ या सामाजिक पृष्ठभूमि के सभी व्यक्तियों को सक्रिय रूप से इस आंदोलन में भाग लेने और योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके लिए, ब्रह्मचारी गिरीश जी ने 18 जुलाई 2008 को महर्षि विश्व शांति आंदोलन की स्थापना की, जिसके दो अंग हैं - महिलाओं के लिए ''सहस्त्रशीर्षा देवी मंडल'' (एसडीएम) और पुरुषों के लिए ''सहस्त्रशीर्षा पुरुषा मंडल'' (एसपीएम)।

महर्षि जी के दर्शन, विचारों और ज्ञान के निरंतर प्रसार को सुनिश्चित करने के लिए, महर्षि विश्व शांति आंदोलन के माननीय अध्यक्ष, ब्रह्मचारी गिरीश जी के विचार, अन्य पदाधिकारियों के द्वारा गठित राष्ट्रीय स्तर पर योजनाओं और कार्यों, महर्षि विश्व शांति आंदोलन के प्रतिभागियों द्वारा लिखे गए लेखों का आदान-प्रदान, सहर्षशीर्षा देवी मंडल और सहर्षशीर्षा पुरुषा मंडल की विभिन्न जिलों और राज्य इकाइयों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य, आने वाले समय के लिए कार्यक्रमों और कार्यों की सूची आदि और विश्व शांति स्थापित करने वालों की संख्या बढाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए 2016 में महर्षि विश्व शांति आंदोलन का त्रैमासिक डिजिटल ई-न्यूजलेटर प्रारंभ किया गया है।

इन न्यूज लेटर्स की सामग्री मुख्य रूप से विभिन्न इकाईयों में महर्षि विश्व शांति स्वयंसेवकों और अन्य प्रतिभागियों की उपलब्धियों, विश्व शांति पर महर्षि जी के विचारों, ब्रह्मचारी गिरीश जी के जनलाभकारी लेख, सामूहिक भावातीत ध्यान-सिद्धि के संबंध में महर्षि

विश्व शांति आंदोलन की गतिविधियों आदि पर केंद्रित है। साथ ही कार्यक्रम, त्योहारों के उत्सव, अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अन्य गतिविधियों की सूचनाओं को चित्रात्मक तथा मनोरंजक रूप से अद्यतन करके सभी प्रतिभागियों को महर्षि विश्व शांति आंदोलन के विषय में जागरूक करते हुए देश भर में एसडीएम और एसपीएम की विभिन्न इकाइयों को महर्षि विश्व शांति आंदोलन से संबंधित समाचार भी प्रदान करता है।

ई-न्यूजलेटर महर्षि विश्व शांति आंदोलन के अंतर्गत सहस्त्रशीर्षा देवी मंडल और सहस्त्रशीर्षा पुरुषा मंडल के सभी प्रतिभागियों, स्टाफ सदस्यों, छात्रों, लाखों भावातीत ध्यान अभ्यासकर्ताओं, सिद्धों, विश्व में महर्षि वैश्विक संगठन के अनुयायियों के साथ-साथ नागरिकों एवं समाज के अन्य सदस्यों के मधय प्रसारित किया जा रहा है।

सदस्यता योजनाओं के लिए, संपर्क विवरण इस प्रकार हैं-

फोन: 0755-4276931
मोबाइल: 9425008470, 9893700746

महर्षि विश्व शांति समागम

वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि जब किसी स्थान की 1 प्रतिशत जनसंख्या समूह में भावातीत ध्यान का अभ्यास करती है या 1 प्रतिशत जनसंख्या का वर्गमूल भावातीत ध्यान, यौगिक उडान सहित भावातीत ध्यान-सिद्धि कार्यक्रम का अभ्यास करती है, तो उस स्थान के समाज की सामूहिक चेतना में सकारात्मकता में वृद्धि होती है और सभी नकारात्मक प्रवृत्तियाँ दूर हो जाती हैं। उन्होंने इस प्रभाव को 'महर्षि प्रभाव' नाम दिया है।

परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी ने यह संदेश दिया है कि 'जीवन आनंद है, जीवन परिपूर्ण है'। हम सभी जानते हैं कि प्रतिदिन दो बार भावातीत ध्यान का नियमित अभ्यास अभ्यासकर्ताओं को आनंद और शांति का अनुभव करने में सक्षम बनाता है।

एक समूह में एकत्र होकर भावातीत ध्यान और योगिक उड़ान सहित भावातीत ध्यान और सिद्धि कार्यक्रम का एक साथ अभ्यास करने के लिए नियमित रूप से महर्षि विश्व शांति समागमह का आयोजन किया जा रहा है। अब तक इस प्रकार के अनेक समागमों का आयोजन किया गया है जिसमें विशेष रूप से महिलाओं के लिए तथा श्रीमद्भगवद्गीता के विषय में समागम सम्मिलित है। अब तक हजारों प्रतिभागियों ने इन समागम में भाग लिया है और विश्व शांति को स्थापित करने में बहुमूल्य योगदान दिया है।

ब्रह्मचारी गिरीश जी और महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर भुवनेश शर्मा जी के नेतृत्व में प्रतिभागियों को महर्षि वैदिक विज्ञान, वैदिक स्वास्थ्य विधान, वैदिक जैविक कृषि, वैदिक शिक्षा और अन्य समसामयिक विषयों के बारे में जानकारी दी गई। प्रतिदिन दो बार योगिक "फ्लाइंग सहित भावातीत ध्यान, भावातीत ध्यान-सिद्धि कार्यक्रम का अभ्यास प्रतिभागियों के आंतरिक आनंद को उर्ध्वगामी गति प्रदान करता है और प्रतिभागियों को प्रबुद्ध, ऊर्जावान, शांत एवं अजेय नागरिकों के रूप में परिष्कृत करने के लिए आध्यात्मिक सामंजस्य विकसित करता है।

कार्यक्रम विवरण, पाठ्क्रम और परिसर भ्रमण के संबंध में अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित संपर्क विवरण है-

फोन: 0755-4276931
मोबाइल: 9425008470, 9893700746
ईमेल: mwpa@mssmail.org
वेब साईट: www.mwpm.in

महर्षि संस्थान में समारोह

भारत उत्सवों की भूमि है जहां प्रत्येक अवसर पर उत्सव मनाए जाने से स्वयं के लिए एवं दूसरों के जीवन को प्रसन्न, स्वस्थ एवं आनंदमय बनाने के लिए सीखने तथा सिखाने का महत्व होता है।

वेद भूमि भारत के महान पुत्र, परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी ने इस विचार पर बल दिया कि "प्रसन्न रहो, स्वस्थ रहो और उस सब स्नेह को अपने हृदय में प्रवाहित होने दो' जो उत्सवों और त्योहारों के महत्व को परिभाषित करता है।

हर जगह खुशियाँ फैलाने के लिए, देश में विभिन्न महर्षि संगठन न केवल महर्षि जी के सबसे समर्पित और

धन्य शिष्य ब्रह्मचारी गिरीश जी के नेतृत्व में वैदिक परंपराओं के सभी त्योहार मना रहे हैं, बल्कि उनके पीछे छिपे गूढ संदेश एवं शिक्षा को जनमानस में प्रसारित करने हेतु भी प्रतिबद्ध हैं। इनमें भव्य समारोहों का आयोजन वैदिक अनुष्ठानों के अनुसार संबंधित अवसरों

पर विभिन्न देवताओं का आह्वान एवं पूजन, सांस्कृतिक, साहित्यिक अन्य गतिविधियों के साथ उच्च योग्य विद्वानों द्वारा उद्‌बोधन सम्मिलित हैं।

इस तरह के समारोह ज्ञान युग दिवस (12 जनवरी), गणतंत्र दिवस, वसंत पंचमी, महाशिवरात्रि, चैत्र नवरात्र श्री राम नवमी, श्री हनुमान जयंती, अक्षय तृतीया (सहस्त्रशीर्षा पुरुषा मंडल के स्थापना दिवस के रूप) तक पूरे वर्ष आयोजित किए जाते हैं। श्रावण मास में रुद्राभिषेक, श्री गुरु पूर्णिमा, स्वतंत्रता दिवस, गणपति उत्सव, अनंत चतुर्दशी, शारदीय नवरात्र तत्पश्चात् विजयादशमी, महर्षि राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव, धन्वंतरि दिवस, श्री हनुमान जयंती, दीपावली, अन्नकूट, गोवर्धन पूजा, भाई दूज, एकादशी, कार्तिक पूर्णिमा आदि पर आयोजित समारोहों की छटा भी अत्यंत निराली होती है।

ये सभी भव्य एवं वैदिक रीति से मनाये जाते हैं। पूरे संस्थान के मुख्य समारोह गुरुदेव स्वामी ब्रह्मानन्द सरस्वती आश्रम, भोपाल में ब्रह्मचारी गिरीश जी के नेतृत्व में आयोजित किये जाते हैं। पूजन वैदिक पंडितों द्वारा किया जाता है जिसे www.ramrajtv.in पर अँनलाइन वेबकास्ट किया जाता है और यह यूट्यूब और फेसबुक सहित विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों पर भी उपलब्ध है। ये समारोह महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, महर्षि प्रबंधन प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, महर्षि प्रबंधन संस्थान, महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम 300 से भी अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किए जाते हैं। अधिक जानकारी के लिए संपर्क विवरण इस प्रकार हैं।

फोन: 0755-4276931
मोबाइल: +91 9425008470, 9893700746

महा स्वास्थ्य शिक्षा अभियान

वर्तमान में भारतवर्ष ही नहीं, वरन सम्पूर्ण विश्व में स्वास्थ्य की स्थिति अच्छी नहीं है। आधुनिक विज्ञान जितना अधिक शोध कर रहा है रोगों और रोगियों की संख्या में उतनी ही वृद्धि हो रही है। औषधियों के पार्श्व प्रभाव अधिक दुष्प्रभावी हो रहे हैं, कष्ट साध्यता और असाध्यता अधिकाधिक हो रही है। महर्षि अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान 1978 से आयुर्वेद के क्षेत्र में विश्वव्यापी कार्य कर रहा है।

ऐसा प्रतीत हो रहा है कि रोगों की चिकित्सा से अधिक महत्व स्वास्थ्य शिक्षा को दिया जाना चाहिये। रोगों की रोकथाम का प्रशिक्षण और रोग हो जाने पर उसकी उचित चिकित्सा के लिये मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्‌देश्य से **ब्रह्मचारी (डा.) गिरीश चन्द्र वर्मा** ने अपने स्वयं के अनेक वर्षों के अनुभव और सिद्ध वैद्यों के अनुभव को लेकर जनसामान्य को लाभान्वित करने का निर्णय लिया है और **"महा स्वास्थ्य शिक्षा अभियान"** का प्रारम्भ किया है। विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय में भारत के भविष्य के नागरिकों को छात्र जीवन से ही स्वास्थ्य की उचित शिक्षा का प्रबन्ध वृहद् स्तर पर किया जा रहा है।

मोबाइल: +91 9893700746, 7000391543

उपरोक्त के अलावा महर्षि जी के कई कार्यक्रम, सेवाएँ, संस्थान और आध्यात्मिक संगठन हैं।
अधिक जानकारी निम्नलिखित पते और फोन नंबर से प्राप्त की जा सकती है

फ्लैट नं. 806, 8वीं मंजिल, मर्केन्टाइल हाऊस, 15 कस्तूरबा गाँधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110 001
Web Site: www.vvprakashan.in • **E-mail:** vvprakashan108@gmail.com
Phone: +91-755-4087300, +91-755-4276931, 4279393 • **Mobile:** +91 9893700746